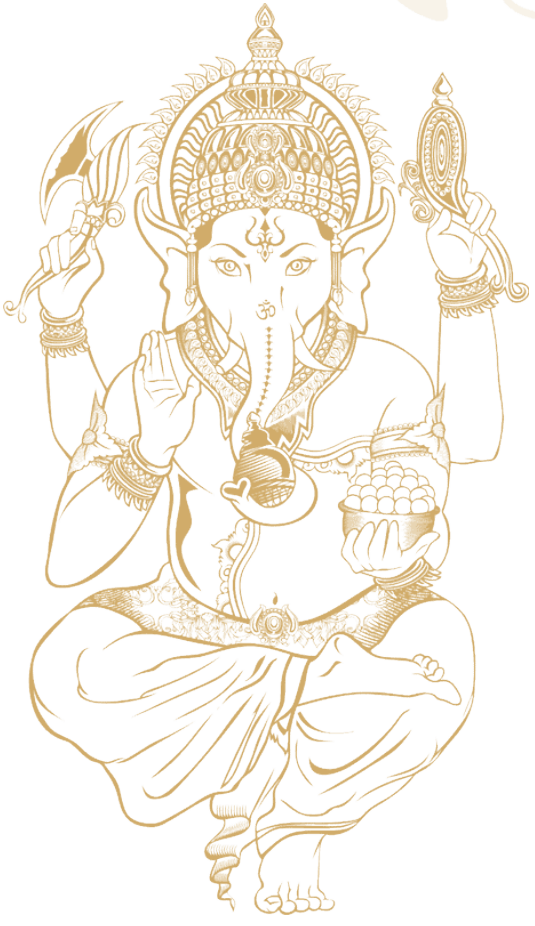

Monu pagal

09 Dec 1984

05:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121638806

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/12/1984**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	54:55:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:08:02 घंटे
साम्पातिक काल	09:50:28 घंटे
सूर्योदय	07:01:55 घंटे
सूर्यास्त	17:24:18 घंटे
दिनमान	10:22:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	23:25:56 वृश्चिक
लग्न के अंश	26:21:01 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:21:01	307:02:26	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	23:25:56	01:00:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			वृष	29:38:25	12:53:43	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	23:55:02	00:45:42	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	उच्च राशि
बुध	व	अ	धनु	05:39:30	00:45:09	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	22:36:41	00:13:05	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			मक	06:09:52	01:10:38	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			तुला	28:40:39	00:06:45	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	03:47:43	00:01:57	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	03:47:43	00:01:57	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	20:20:58	00:03:40	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	06:58:33	00:02:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	10:06:12	00:01:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	01:42:00	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:33

लग्न-चलित

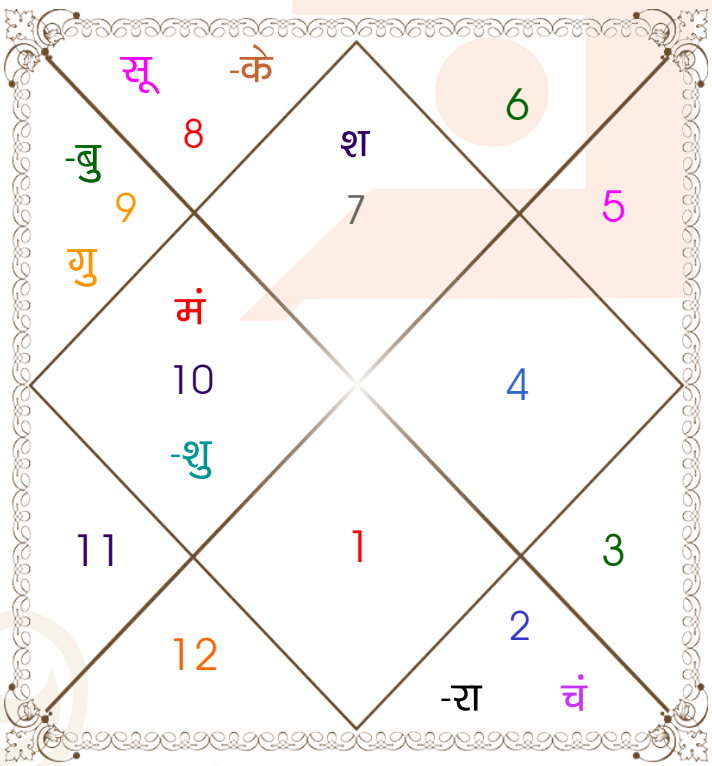

चन्द्र कुंडली

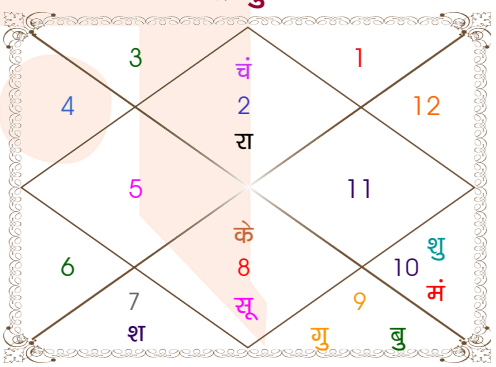

नवमांश कुंडली

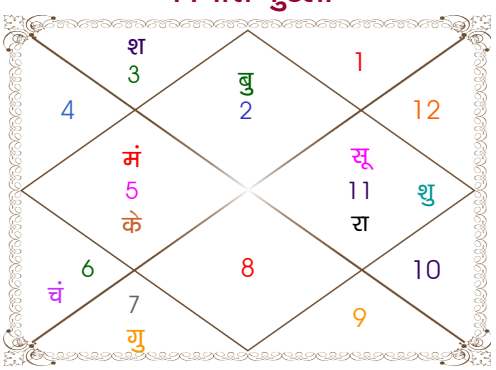

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 8 मास 8 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/12/1984		17/08/1988		18/08/2006		18/08/2022		17/08/2041	
17/08/1988		18/08/2006		18/08/2022		17/08/2041		18/08/2058	
	00/00/0000	राहु	30/04/1991	गुरु	05/10/2008	शनि	20/08/2025	बुध	14/01/2044
	00/00/0000	गुरु	23/09/1993	शनि	18/04/2011	बुध	29/04/2028	केतु	10/01/2045
	09/12/1984	शनि	30/07/1996	बुध	24/07/2013	केतु	08/06/2029	शुक्र	11/11/2047
शनि	16/02/1985	बुध	16/02/1999	केतु	30/06/2014	शुक्र	08/08/2032	सूर्य	17/09/2048
बुध	13/02/1986	केतु	06/03/2000	शुक्र	28/02/2017	सूर्य	21/07/2033	चंद्र	16/02/2050
केतु	12/07/1986	शुक्र	06/03/2003	सूर्य	17/12/2017	चंद्र	19/02/2035	मंगल	13/02/2051
शुक्र	11/09/1987	सूर्य	29/01/2004	चंद्र	18/04/2019	मंगल	30/03/2036	राहु	02/09/2053
सूर्य	17/01/1988	चंद्र	30/07/2005	मंगल	24/03/2020	राहु	04/02/2039	गुरु	08/12/2055
चंद्र	17/08/1988	मंगल	18/08/2006	राहु	18/08/2022	गुरु	17/08/2041	शनि	18/08/2058

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/08/2058		17/08/2065		17/08/2085		18/08/2091		18/08/2101	
17/08/2065		17/08/2085		18/08/2091		18/08/2101		00/00/0000	
केतु	14/01/2059	शुक्र	17/12/2068	सूर्य	05/12/2085	चंद्र	17/06/2092	मंगल	14/01/2102
शुक्र	15/03/2060	सूर्य	17/12/2069	चंद्र	06/06/2086	मंगल	16/01/2093	राहु	02/02/2103
सूर्य	21/07/2060	चंद्र	18/08/2071	मंगल	11/10/2086	राहु	18/07/2094	गुरु	09/01/2104
चंद्र	19/02/2061	मंगल	17/10/2072	राहु	05/09/2087	गुरु	17/11/2095	शनि	10/12/2104
मंगल	18/07/2061	राहु	18/10/2075	गुरु	23/06/2088	शनि	17/06/2097		00/00/0000
राहु	05/08/2062	गुरु	18/06/2078	शनि	05/06/2089	बुध	17/11/2098		00/00/0000
गुरु	12/07/2063	शनि	17/08/2081	बुध	12/04/2090	केतु	18/06/2099		00/00/0000
शनि	20/08/2064	बुध	17/06/2084	केतु	18/08/2090	शुक्र	17/02/2101		00/00/0000
बुध	17/08/2065	केतु	17/08/2085	शुक्र	18/08/2091	सूर्य	18/08/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 8 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।